तुलसी प्रज्ञा २००४ ०४ (फोल्डर नं. ०२४५४७)

सम्पादक

डॉ. शान्ता जैन (मुमुक्षु) – हिन्दी

डॉ. जगत राम भट्टाचार्य - अंग्रेजी

मुख्य टाइटल

अनुक्रमणिका

नियंत्रण और शोधन

सामाजिक समानता बनाम राजनैतिक स्थिरता – डॉ. बच्छराज दूगड ---------- १

अरविन्द साहित्य और मनोनुशासनम में आत्म तत्त्व – श्रीमती उर्मिला देवी ---------- ७

वृद्धावस्था तथा मृत्यु क्यों आते हैं ? – डॉ. अनिलकुमार जैन ---------- १५

चली है रस्म कि कोई सर उठा के न चले – निरंजन सहाय ---------- १९

क्या विधुत (ईलेक्ट्रीसीटी) सचित तेउकाय है ? - प्रो. मुनि महेन्द्र कुमार ---------- ३६

Acaranga – Bhasyam - Acarya Mahaprajna ---------- 85

S. Ladvada – The Perspective of Indian Logic – Dr. Rajjan Kumar ---------- 93

Glimpses of the Aspects of Jainology and Buddhist Studies – Dr. Pradyumna Shah ------ 102

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org